प्रतिदर्श प्रश्नपत्र, 2022-23

विषय-हिंदी, कोर्स-ए (कोड-002)

Sample Paper - 8

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

(1) इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(2) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(4) खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(5) खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

"सफलता चाहने वाले मनुष्य का प्रथम कर्त्तव्य यह देखना है कि उसकी रुचि किन - किन कार्यों की ओर अधिक है। यह बात गलत है कि हर कोई मनुष्य हर एक काम कर सकता है। लॉर्ड वेस्टरफील्ड स्वाभाविक प्रवृत्तियों के काम को अनावश्यक समझते थे और केवल परिश्रम को सफलता का आधार मानते थे। इसी सिद्धान्त के अनुसार उन्होंने अपने बेटे स्टेनहाप को, जो सुस्त, ढीलाढाला, असावधान था, सत्पुरुष बनाने का प्रयास किया। वर्षों परिश्रम करने के बाद भी लड़का ज्यों का त्यों रहा और जीवन-भर योग्य न बन सका। स्वाभाविक प्रवृत्तियों को जानना कठिन भी नहीं है, बचपन के कामों को देखकर बताया जा सकता है कि बच्चा किस प्रकार का मनुष्य होगा। प्रायः यह संभावना प्रबल होती है कि छोटी आयु में कविता करने वाला कवि, सेना बनाकर चलने वाला सेनापति, भुट्टे चुराने वाला चोर-डाकू, पुरजे कसने वाला मैकेनिक और विज्ञान में रुचि रखने वाला वैज्ञानिक बनेगा।

जब यह विदित हो जाए कि लड़के की रुचि किस काम की ओर है तब यह करना चाहिए कि उसे उसी विषय में ऊँची शिक्षा दिलाई जाए। ऊँची शिक्षा प्राप्त करके मनुष्य अपने काम-धन्धे में कम परिश्रम से अधिक सफल हो सकता है, जिनके काम-धन्धे का पूर्ण प्रतिबिम्ब बचपन में नहीं दिखता, वे अपवाद ही है।

प्रत्येक मनुष्य में एक विशेष कार्य को अच्छी प्रकार करने की शक्ति होती है। वह बड़ी दृढ़ और उत्कृष्ट होती है। वह देर तक नहीं छिपती। उसी के अनुकूल व्यवसाय चुनने से ही सफलता मिलती है। जीवन में यदि आपने सही कार्यक्षेत्र चुन लिया तो समझ लीजिए कि बहुत बड़ा काम कर लिया।

(i) निम्नलिखित कथनों की सत्यता पर विचार कीजिए -

i. गद्यांश में स्वाभाविक प्रवृत्तियों के काम को अनावश्यक माना गया है।

ii. गद्यांश में सफलता का आधार परिश्रम को माना गया है।

iii. स्वाभाविक प्रवृत्तियों को जानना कठिन होता है।

iv. बचपन की प्रवृत्तियों को देखकर बच्चे के व्यवसाय का अनुमान लगाना कठिन है।

क) कथन i, iii व iv सही हैं
ख) कथन i व ii सही हैं
ग) कथन iii व iv सही हैं
घ) कथन ii व iv सही हैं

(ii) अपने सिद्धांत को लार्ड वेस्टरफील्ड ने सर्वप्रथम किस पर आजमाया?

क) अपने मित्रों पर
ख) अपने बेटे स्टेनहाप पर
ग) विद्यार्थियों पर
घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) बालक आगे चलकर कैसा मनुष्य बनेगा, इसका अनुमान कैसे लगाया जा सकता है?

क) उसकी शिक्षा को देखकर
ख) बचपन में ही उसकी रुचि एवं कार्यों को देखकर
ग) उसकी शरारतों को देखकर
घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) सही कार्यक्षेत्र चुनने के क्या लाभ हैं?

क) इनमें से कोई नहीं।
ख) उसे धन की प्राप्ति होती है।
ग) उसे असफलता प्राप्त होती है।
घ) मनुष्य कम परिश्रम से कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकता है।

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): प्रत्येक मनुष्य में एक विशेष कार्य को करने की दृढ़ व उत्कृष्ट शक्ति होती है।
कथन (R): जीवन में सही कार्यक्षेत्र का चुनाव ही व्यक्ति को सफलता की ऊँचाइयों पर पहुँचाता है।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
ख) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
ग) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।
घ) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

2. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **एक साल पहले बने कॉलेज में शीला अग्रवाल की नियुक्ति हुई थी।** संयुक्त वाक्य में बदलिए।

i. शीला अग्रवाल की जिस कॉलेज में नियुक्ति हुई थी वह एक साल पहले बना था।
ii. शीला अग्रवाल की एक साल पहले बने कॉलेज में नियुक्ति हुई थी।
iii. एक साल पहले कॉलेज बना था और उसमें शीला अग्रवाल की नियुक्ति हुई थी।

iv. सभी विकल्प सही हैं।

क) विकल्प (i) ख) विकल्प (iii)

ग) विकल्प (ii) घ) विकल्प (iv)

(ii) **आषाढ़ की एक सुबह एक मोर ने मल्हार के मियाऊ मियाऊ को सुर दिया था।** संयुक्त वाक्य में बदलिए।

i. जब एक मोर ने मल्हार के मियाऊ-मियाऊ को सुर दिया था वह आषाढ़ की एक सुबह थी।

ii. आषाढ़ की एक सुबह थी और एक मोर ने मल्हार के मियाऊ-मियाऊ को सुर दिया था।

iii. जब आषाढ़ की सुबह हुई तब एक मोर ने मल्हार के मियाऊ-मियाऊ को सुर दिया।

iv. इनमे में से कोई नहीं।

क) विकल्प (i) ख) विकल्प (iv)

ग) विकल्प (iii) घ) विकल्प (ii)

(iii) निम्न में से मिश्र वाक्य है-

i. हम खाना खा रहे हैं।

ii. वह कौन-सा व्यक्ति है जिसने महात्मा गांधी का नाम न सुना हो।

iii. वह महात्मा है लेकिन अहंकारी है।

iv. तुम कहाँ जा रहे हो?

क) विकल्प (ii) ख) विकल्प (i)

ग) विकल्प (iii) घ) विकल्प (iv)

(iv) जिस वाक्य में एक से अधिक उपवाक्य से जुड़े हो परंतु उनमें एक प्रधान उपवाक्य हो तथा दूसरा आश्रित उपवाक्य हो तो उसे ________ वाक्य कहते हैं।

क) मिश्र वाक्य ख) इनमें से कोई नहीं

ग) संयुक्त वाक्य घ) सरल वाक्य

(v) **यद्यपि वह हर तरह के संकटों से घिरा था तथापि निराश नहीं हुआ**' रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए।

क) समूह वाक्य ख) संयुक्त वाक्य

ग) सरल वाक्य घ) मिश्र वाक्य

3. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

बस फूलों का बाग नहीं, जीवन में लक्ष्य हमारा,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
थोड़ी मात्र सफलता से ही, जो संतोष किए हैं,

घर की चारदिवारी में मस्ती के साथ जिए हैं।
क्या मालूम उन्हें कितना परियों का लोक सुहाना,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
चलते-चलते नहीं पड़े, जिनके पैरों में छाले,
खुशियाँ क्या होती हैं, वे क्या जानेंगे मतवाले।
सुख काँटों के पथ से है, बचने का नहीं बहाना,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
एक बाग क्या, जब धरती पर बंजर मौज मनाएँ,
एक फूल क्या, जब पग-पग काँटे जाल बिछाएँ।
गली-गली में, डगर-डगर में है नंदन लहराना,
बस फूलों का बाग नहीं, जीवन में लक्ष्य हमारा,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।

(i) कवि ने सफलता के बारे में क्या कहा है?

i. परिश्रम करने से ही सफलता मिलती है।
ii. हमें थोड़ी सी सफलता मिलने पर ही संतोष नहीं करना चाहिए।
iii. सफलता मिलने पर अहंकार करना आवश्यक है।
iv. परिश्रम के बिना ही सफलता की प्राप्ति हो जाती है।

क) कथन i व ii सही हैं　　ख) कथन ii व iii सही हैं

ग) कथन i व iv सही हैं　　घ) कथन i, ii व iv सही हैं

(ii) असली खुशियों के बारे में कौन नहीं जानते हैं?

क) जो परीलोक में विचरण करते हैं　　ख) जिनके पैरों में छाले पड़ते हैं

ग) जिनके पैरों में छाले नहीं पड़ते　　घ) जो काँटों पर चलते हैं

(iii) काव्यांश के माध्यम से कवि ने क्या सन्देश दिया है?

क) थमने का　　ख) झुकने का

ग) रुकने का　　घ) निरंतर चलते रहने का

(iv) परियों के सुहाने लोक के बारे में किन्हें पता नहीं लग पाता है?

क) जो निरंतर प्रयास करते हैं　　ख) जो घर की चारदीवारी में रहते हैं

ग) जो मुसीबतों का सामना करते हैं　　घ) जो कठिनाइयों से घबराते हैं

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): सुख प्राप्त करने के लिए काँटों भरी राह पर भी चलना पड़ता है।
कथन (R): जिन्हें आसानी से सफलता मिल जाती हैं, वे काँटों भरी राह पर चलने की बजाय अपना रास्ता बदल लेते हैं।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ख) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

ग) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: [5]

हिमालय के आँगन में उसे प्रथम किरणों का दे उपहार।।
उषा ने हँस अभिनंदन किया और पहनाया हीरक हार।
जगे हम, लगे जगाने विश्व लोक में फैला फिर आलोक,
व्योम-तम-पुंज हुआ तब नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक।
विमल वाणी ने वीणा ली कमल कोमल कर में सप्रीत।
सप्त स्वर सप्त सिंधु में उठे, छिड़ा तब मधुर साम-संगीत।
बचाकर बीज रूप से सृष्टि, नाव पर झेल प्रलय का शीत।
अरुण-केतन लेकर निज हाथ वरुण पथ में हम बढ़े अभीत।

-- जयशंकर प्रसाद

(i) निम्नलिखित में से कौनसा / कौनसे कथन सही हैं?

i. भारत देश हिमालय के आँगन के समान है।
ii. उषा प्रतिदिन भारत भूमि को सूर्य की किरणों का उपहार देती है।
iii. ओस की बूँदें भारत भूमि पर हीरों के हार के समान प्रतीत होती हैं।
iv. हिमालय भारत भूमि को किरणों का उपहार देता है।

क) कथन i व ii सही हैं

ख) कथन i, ii व iii सही हैं

ग) कथन i, iii व iv सही हैं

घ) कथन ii, iii व iv सही हैं

(ii) **विमल वाणी ने वीणा ली कमल कोमल कर में सप्रीत** में कौन-सा अलंकार है?

क) श्लेष अलंकार

ख) अनुप्रास अलंकार

ग) उपमा अलंकार

घ) यमक अलंकार

(iii) दुनिया में आलोक कब फैला?

क) जब देश में दिन निकला

ख) जब भारत में सूरज की पहली किरण आई

ग) जब भारत के मनीषियों ने ने विश्व को ज्ञान दिया

घ) जब भारत ने मनीषियों से ज्ञान सीखा

(iv) उषा किसका स्वागत करती है?

क) आकाश का

ख) वृक्षों का

ग) भारत भूमि का

घ) धरती का

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): ज्ञान का उदय सर्वप्रथम भारत देश में हुआ था।
कथन (R): भारत ने अज्ञान रुपी अंधकार को समाप्त कर समग्र संसार को ज्ञान के परकाश से प्रकाशित किया।

क) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ग) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

4. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) वह <u>**नित्य**</u> घूमने जाता है। रेखांकित पद का परिचय है-

क) अव्यय, स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता

ख) अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता

ग) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता

घ) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता

(ii) <u>**वे**</u> मुंबई जा चुके हैं। रेखांकित पद का परिचय है-

क) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, करणकारक।

ख) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक।

ग) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक।

घ) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ताकारक।

(iii) दादी जी <u>**सुबह-शाम**</u> धीरे-धीरे टहलती हैं। वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय बताइए।

क) स्थानवाचक क्रियाविशेषण "टहलती हैं" क्रिया से संबद्ध

ख) इनमें से कोई नहीं

ग) कालवाचक क्रियाविशेषण "टहलती हैं" क्रिया से संबद्ध

घ) रीतिवाचक क्रियाविशेषण "टहलती हैं" क्रिया से संबद्ध

(iv) <u>रचना</u> काम कर रही है - रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

क) समूहवाचक संज्ञा

ख) द्रव्यवाचक संज्ञा

ग) जातिवाचक संज्ञा

घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(v) उसने यह पत्र राज से **लिखवाया** रेखांकित पद का परिचय है-

क) प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल, कर्मवाच्य

ख) अकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल, कर्तृवाच्य

ग) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमानकाल, कर्मवाच्य

घ) प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य

5. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा कर्तृवाच्य है?

i. गांधीजी ने विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया।

ii. गांधीजी के द्वारा विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया गया था।

iii. गांधीजी द्वारा विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया जाता था।

iv. इनमें से कोई नहीं

क) विकल्प (iv)

ख) विकल्प (ii)

ग) विकल्प (i)

घ) विकल्प (iii)

(ii) **रामदयाल ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया** प्रस्तुत वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए

क) रामदयाल द्वारा संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया जाता है।

ख) रामदयाल के द्वारा संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया गया।

ग) रामदयाल से संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया जाता।

घ) रामदयाल से संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया गया।

(iii) कर्तृवाच्य में किस क्रिया का प्रयोग होता है?

क) सकर्मक

ख) अकर्मक और सकर्मक

ग) द्विकर्मक

घ) अकर्मक

(iv) **कैप्टन चश्मा बदल देता था** प्रस्तुत वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए-

क) कैप्टन से चश्मा बदला जाता था।

ख) कैप्टन द्वारा चश्मा बदल दिया जाता था।

ग) कैप्टन द्वारा चश्मा बदल दिया जाता है।

घ) कैप्टन ने चश्मा बदल दिया।

(v)

प्रायः असमर्थता या विवशता प्रकट करने के लिए 'नहीं' के साथ _________ का प्रयोग होता है।

क) कर्तृवाच्य
ख) कर्मवाच्य
ग) विशेषण
घ) भाववाच्य

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **उषा सुनहरे तीर बरसाती, जय लक्ष्मी-सी उदित हुई।** इस में कौन-सा अलंकार है?

क) रूपक अलंकार
ख) मानवीकरण अलंकार
ग) अनुप्रास अलंकार
घ) उपमा अलंकार

(ii) किस अलंकार में शब्द एक ही बार आता है, लेकिन उसका अर्थ एक से अधिक होता है।

क) श्लेष
ख) यमक
ग) उत्प्रेक्षा
घ) मानवीकरण

(iii) **राणा प्रताप के घोड़े से पड़ गया हवा का पाला था।** पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) यमक अलंकार
ख) मानवीकरण अलंकार
ग) अतिश्योक्ति अलंकार
घ) श्लेष अलंकार

(iv) **वन शारदी चंद्रिका-चादर ओढ़े।** इस में कौन-सा अलंकार है?

क) यमक अलंकार
ख) रूपक अलंकार
ग) उपमा अलंकार
घ) अनुप्रास अलंकार

(v) **कहती हुई यूँ उत्तरा के नेत्र जल से भर गए।**
हिम कणों से पूर्ण मानों हो गए पंकज नए।।
पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) रूपक अलंकार
ख) अतिश्योक्ति अलंकार
ग) यमक अलंकार
घ) अनुप्रास अलंकार

7. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **[2]**

(i) एक कहानी यह भी की लेखिका के पिता इंदौर से अजमेर क्यों आ गए ?

क) लेखिका के कारण
ख) क्रोधी होने के कारण
ग) एक बड़े आर्थिक झटके के
घ) संवेदनशील होने के कारण

कारण

(ii) बिस्मिल्लाह खाँ शहनाई और काशी को इस धरती पर क्या मानते थे?

क) बोझ | ख) माता

ग) दोजख | घ) जन्नत

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

गर्मियों में उनकी 'संझा' कितनी उमस भरी शाम को न शीतल करती! अपने घर के आँगन में आसन जमा बैठते। गाँव के उनके कुछ प्रेमी भी जुट जाते। खँजड़ियों और करतालों की भरमार हो जाती। एक पद बालगोबिन भगत कह जाते, उनकी प्रेमी-मंडली उसे दुहराती-तिहराती। धीरे-धीरे स्वर ऊँचा होने लगता-एक निश्चित ताल, एक निश्चित गति से। उस ताल-स्वर के चढ़ाव के साथ श्रोताओं के मन भी ऊपर उठने लगते। धीरे-धीरे मन-तन पर हावी हो जाता। होते-होते, एक क्षण ऐसा आता कि बीच में खँजड़ी लिए बालगोबिन भगत नाच रहे हैं और उनके साथ ही सबके तन और मन नृत्यशील हो उठे हैं। सारा आँगन नृत्य और संगीत से ओतप्रोत है!

(i) **उमसभरी** का अर्थ है-

क) घुटनभरी | ख) सुहावनी

ग) बहुत गरम | घ) वर्षा ऋतु की वह गर्मी जिसका अनुभव हवा बंद होने पर किया जाता है

(ii) बालगोबिन के घर भजन का कार्यक्रम किस प्रकार चलता था? अनुपयुक्त विकल्प छाँटिए-

क) भजन सुनने वाले लोगों की भीड़ जुट जाती। | ख) बालगोबिन के घर में उनके कुछ प्रेमी जुट जाते।

ग) भजन का एक पद भगत कहते, उनकी प्रेमी मंडली उसे दुहराती। | घ) खँजड़ियों और करतालों की भरमार हो जाती।

(iii) **धीरे-धीरे मन तन पर हावी हो जाता**- का आशय है-

क) सभी नाचने लगते। | ख) सभी ऊँचे स्वर में गाने लगते।

ग) सभी भजन के आनंद में खो जाते और सुध-बुध खो बैठते। | घ) सभी भगत की जय जयकार करने लगते।

(iv) भजन गाते-गाते एक कैसा क्षण आता?

क) वे खँजड़ी लेकर उठते और नाचने लगते। | ख) इनमें से कोई नहीं।

ग) उसका स्वर बहुत ऊँचा हो | घ) बालगोबिन भजन गाते-गाते

जाता। | बेसुध हो जाते।

(v) **संज्ञा** का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है?

क) सुर-लहरी | ख) भजन-मंडली
ग) संध्या | घ) बैठक

9. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **[2]**

(i) **उत्साह** कविता अनुसार बादल कहाँ से आ जाते हैं?

क) आकाश से | ख) समुद्र से
ग) नदियों से | घ) अज्ञात दिशा से

(ii) **आत्मकथ्य** काव्य में कवि किसकी तारीफ करते हुए फूले नहीं समा रहे?

क) राधा | ख) कवि की प्रेमिका
ग) सूर्य की किरण | घ) सीता

10. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।
ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।
अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए।

(i) काव्यांश में कृष्ण के राजनीति पढ़ने का क्या अर्थ है?

क) वे सबसे प्रेम करते हैं | ख) वे राजा बन गए हैं
ग) वे अधिक विनम्र हो गए हैं | घ) उनमें छल - कपट आ गया है

(ii) गोपियाँ अपना मन किससे वापिस लेना चाहती हैं?

क) स्वयं से | ख) सूरदास से
ग) उद्धव से | घ) कृष्ण से

(iii) काव्यांश में **मधुकर** शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है?

क) उद्धव के लिए | ख) कवि के लिए

ग) गोपियों के लिए　　　　घ) कृष्ण के लिए

(iv) गोपियाँ कृष्ण को किसकी याद दिला रही हैं?

क) लोकधर्म की　　　　ख) प्रेम की

ग) मर्यादा की　　　　घ) राजधर्म की

(v) गोपियों ने पहले के लोगों को कैसा बताया है?

क) धोखेबाज　　　　ख) कपटी

ग) निर्मम　　　　घ) परोपकारी

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **[6]**

(i) **इहाँ कुम्हड़वतिया कोउ नाहीं**-की उक्ति के द्वारा लक्ष्मण परशुराम से क्या कहना चाहते हैं?

(ii) यदि आप प्रतिभावान हैं तो मुख्य गायक और संगतकार में से कौन-सी भूमिका प्रस्तुत करना चाहेंगे?

(iii) **आत्मकथ्य** काव्य में कवि के जीवन के अनुभव ही उसे आत्मकथा लिखने से रोकते हैं। वे अनुभव क्या हैं?

(iv) "यह दंतुरित मुस्कान" कविता में कवि ने मानव जीवन के किस सत्य को प्रकट किया है?

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **[6]**

(i) 'लखनवी अंदाज़' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर संक्षेप में प्रकाश डालिये।

(ii) लेखक की दृष्टि में **सभ्यता** और **संस्कृति** की सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई है?

(iii) लेखिका के आत्मकथ्य एक कहानी यह भी क्या प्रेरणा देती है?

(iv) कैप्टन देखने में कैसा था? उसने अपने हाथों में क्या ले रखा था?

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए- **[8]**

(i) **मैं क्यों लिखता हूँ?** पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक को लिखने की प्रेरणा कहाँ से प्राप्त होती है।

(ii) जितेन नार्गे की गाइड की भूमिका के बारे में विचार करते हुए लिखिए कि एक कुशल गाइड में क्या गुण होते हैं?

(iii) "माता का आँचल" पाठ में वर्णित मूसन तिवारी कौन थे? उनके साथ बाल-मंडली ने शरारत

क्यों की थी और उसका क्या परिणाम हुआ? इस घटना से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?

14. **कोरोना वायरस** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- कोरोना का संक्रमण
- बचाव के उपाय
- लॉकडाउन के सकारात्मक प्रभाव

अथवा

मेरे सपनों का भारत विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- भारत के बारे में मेरे विचार
- सांप्रदायिकता आदि से मुक्त उन्नत भारत की चाह
- सुखी समृद्ध भारत

अथवा

वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

15. शिक्षा निदेशालय, दिल्ली को विभिन्न विषयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों की आवश्यकता है। इस पद के लिए शिक्षा निदेशक को स्ववृत सहित एक आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

विद्यालय से दो दिन के अवकाश हेतु प्रधानाचार्य abcschool@gmail.com को एक ईमेल लिखिए क्योंकि आपको बुखार आ गया है।

16. बिजली विभाग के अधिकारी को बिजली बिल की शिकायत करते हुए पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने विद्यालय के पुस्तकालय में आनेवाली पुस्तकों की जानकारी देते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

17. प्रकृति की रक्षा से धरती और मानव-जाति की रक्षा संभव है - इस विषय पर लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

अपने मित्र के भारतीय टीम में चयन होने पर शुभकामना संदेश 30-40 शब्दों में लिखिए।

Solution

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

"सफलता चाहने वाले मनुष्य का प्रथम कर्त्तव्य यह देखना है कि उसकी रुचि किन - किन कार्यों की ओर अधिक है। यह बात गलत है कि हर कोई मनुष्य हर एक काम कर सकता है। लॉर्ड वेस्टरफील्ड स्वाभाविक प्रवृत्तियों के काम को अनावश्यक समझते थे और केवल परिश्रम को सफलता का आधार मानते थे। इसी सिद्धान्त के अनुसार उन्होंने अपने बेटे स्टेनहाप को, जो सुस्त, ढीलाढाला, असावधान था, सत्पुरुष बनाने का प्रयास किया। वर्षों परिश्रम करने के बाद भी लड़का ज्यों का त्यों रहा और जीवन-भर योग्य न बन सका। स्वाभाविक प्रवृत्तियों को जानना कठिन भी नहीं है, बचपन के कामों को देखकर बताया जा सकता है कि बच्चा किस प्रकार का मनुष्य होगा। प्रायः यह संभावना प्रबल होती है कि छोटी आयु में कविता करने वाला कवि, सेना बनाकर चलने वाला सेनापति, भुट्टे चुराने वाला चोर-डाकू, पुरजे कसने वाला मैकेनिक और विज्ञान में रुचि रखने वाला वैज्ञानिक बनेगा।

जब यह विदित हो जाए कि लड़के की रुचि किस काम की ओर है तब यह करना चाहिए कि उसे उसी विषय में ऊँची शिक्षा दिलाई जाए। ऊँची शिक्षा प्राप्त करके मनुष्य अपने काम-धन्धे में कम परिश्रम से अधिक सफल हो सकता है, जिनके काम-धन्धे का पूर्ण प्रतिबिम्ब बचपन में नहीं दिखता, वे अपवाद ही है।

प्रत्येक मनुष्य में एक विशेष कार्य को अच्छी प्रकार करने की शक्ति होती है। वह बड़ी दृढ़ और उत्कृष्ट होती है। वह देर तक नहीं छिपती। उसी के अनुकूल व्यवसाय चुनने से ही सफलता मिलती है। जीवन में यदि आपने सही कार्यक्षेत्र चुन लिया तो समझ लीजिए कि बहुत बड़ा काम कर लिया।

(i) **(ख)** कथन i व ii सही हैं
व्याख्या: कथन i व ii सही हैं

(ii) **(ख)** अपने बेटे स्टेनहाप पर
व्याख्या: अपने बेटे स्टेनहाप पर

(iii) **(क)** उसकी शिक्षा को देखकर
व्याख्या: उसकी शिक्षा को देखकर

(iv) **(घ)** मनुष्य कम परिश्रम से कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकता है।
व्याख्या: मनुष्य कम परिश्रम से कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकता है।

(v) **(ख)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

2. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** विकल्प (iii)
व्याख्या: एक साल पहले कॉलेज बना था और उसमें शीला अग्रवाल की नियुक्ति हुई थी।

(ii) **(घ)** विकल्प (ii)
व्याख्या: आषाढ़ की एक सुबह थी और एक मोर ने मल्हार के मियाऊ-मियाऊ को सुर दिया था।

(iii)**(क)** विकल्प (ii)

व्याख्या: वह कौन-सा व्यक्ति है जिसने महात्मा गांधी का नाम न सुना हो।

(iv)**(क)** मिश्र वाक्य

व्याख्या: मिश्र वाक्य में आश्रित उपवाक्य प्रधान उपवाक्य पर निर्भर होते हैं। मिश्र वाक्य योजकों के युग्मकों- जैसा-वैसा, जो-सो, जिसकी-उसकी, जहाँ-वहाँ, जब-तक, जैसी-वैसी, यदि-तो, जब-तक, तब-तक, जिन्हें-उन्हें आदि से जुड़े होते हैं।

(v) **(घ)** मिश्र वाक्य

व्याख्या: मिश्र वाक्य

3. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

बस फूलों का बाग नहीं, जीवन में लक्ष्य हमारा,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
थोड़ी मात्र सफलता से ही, जो संतोष किए हैं,
घर की चारदिवारी में मस्ती के साथ जिए हैं।
क्या मालूम उन्हें कितना परियों का लोक सुहाना,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
चलते-चलते नहीं पड़े, जिनके पैरों में छाले,
खुशियाँ क्या होती हैं, वे क्या जानेंगे मतवाले।
सुख काँटों के पथ से है, बचने का नहीं बहाना,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।
एक बाग क्या, जब धरती पर बंजर मौज मनाएँ,
एक फूल क्या, जब पग-पग काँटे जाल बिछाएँ।
गली-गली में, डगर-डगर में है नंदन लहराना,
बस फूलों का बाग नहीं, जीवन में लक्ष्य हमारा,
उससे आगे बहुत दूर है, बहुत दूर तक जाना।

(i) **(क)** कथन i व ii सही हैं

व्याख्या: कथन i व ii सही हैं

(ii) **(ग)** जिनके पैरों में छाले नहीं पड़ते

व्याख्या: जिनके पैरों में छाले नहीं पड़ते

(iii)**(घ)** निरंतर चलते रहने का

व्याख्या: निरंतर चलते रहने का

(iv)**(क)** जो निरंतर प्रयास करते हैं

व्याख्या: जो निरंतर प्रयास करते हैं

(v) **(ख)** कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

व्याख्या: कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

हिमालय के आँगन में उसे प्रथम किरणों का दे उपहार।।
उषा ने हँस अभिनंदन किया और पहनाया हीरक हार।
जगे हम, लगे जगाने विश्व लोक में फैला फिर आलोक,
व्योम-तम-पुंज हुआ तब नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक।

विमल वाणी ने वीणा ली कमल कोमल कर में सप्रीत।
सप्त स्वर सप्त सिंधु में उठे, छिड़ा तब मधुर साम-संगीत।
बचाकर बीज रूप से सृष्टि, नाव पर झेल प्रलय का शीत।
अरुण-केतन लेकर निज हाथ वरुण पथ में हम बढ़े अभीत।
-- जयशंकर प्रसाद

(i) **(ख)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं
(ii) **(ख)** अनुप्रास अलंकार
व्याख्या: अनुप्रास अलंकार
(iii)**(ग)** जब भारत के मनीषियों ने ने विश्व को ज्ञान दिया
व्याख्या: जब भारत के मनीषियों ने ने विश्व को ज्ञान दिया
(iv)**(ग)** भारत भूमि का
व्याख्या: भारत भूमि का
(v) **(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

4. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता
व्याख्या: अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता
(ii) **(घ)** अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ताकारक।
व्याख्या: अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ताकारक।
(iii)**(ग)** कालवाचक क्रियाविशेषण "टहलती हैं" क्रिया से संबद्ध
व्याख्या: कालवाचक क्रियाविशेषण "टहलती हैं" क्रिया से संबद्ध
(iv)**(घ)** व्यक्तिवाचक संज्ञा
व्याख्या: 'रचना' व्यक्ति का नाम होने के कारण व्यक्तिवाचक संज्ञा है।
(v) **(क)** प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल, कर्मवाच्य
व्याख्या: प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल, कर्मवाच्य

5. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** विकल्प (i)
व्याख्या: गांधीजी ने विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया।
(ii) **(ख)** रामदयाल के द्वारा संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया गया।
व्याख्या: रामदयाल के द्वारा संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया गया।
(iii)**(ख)** अकर्मक और सकर्मक
व्याख्या: अकर्मक और सकर्मक
(iv)**(ख)** कैप्टन द्वारा चश्मा बदल दिया जाता था।
व्याख्या: कैप्टन द्वारा चश्मा बदल दिया जाता था।
(v) **(घ)** भाववाच्य
व्याख्या: असमर्थता या विवशता के लिए प्रायः भाववाच्य का ही प्रयोग होता है।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** मानवीकरण अलंकार
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार

(ii) **(क)** श्लेष
व्याख्या: जिस अलंकार में शब्द एक ही बार आया हो, लेकिन उसका अर्थ हर बार अलग होता है, उसे श्लेष अलंकार कहते हैं।
उदाहरण :- " मंगन को देखि , पट देत बार-बार "
उपरोक्त उदाहरण में पट शब्द में श्लेष अलंकार है। यहाँ पट शब्द का एक अर्थ दरवाजा है और दूसरा अर्थ वस्त्र है।

(iii) **(ग)** अतिश्योक्ति अलंकार
व्याख्या: अतिश्योक्ति अलंकार

(iv) **(ख)** रूपक अलंकार
व्याख्या: रूपक अलंकार

(v) **(ख)** अतिश्योक्ति अलंकार
व्याख्या: अतिश्योक्ति अलंकार

7. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ग)** एक बड़े आर्थिक झटके के कारण
व्याख्या: एक बड़े आर्थिक झटके के कारण लेखिका के पिता इंदौर से अजमेर आ गए ।

(ii) **(घ)** जन्नत
व्याख्या: जन्नत

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
गर्मियों में उनकी 'संझा' कितनी उमस भरी शाम को न शीतल करती! अपने घर के आँगन में आसन जमा बैठते। गाँव के उनके कुछ प्रेमी भी जुट जाते। खँजड़ियों और करतालों की भरमार हो जाती। एक पद बालगोबिन भगत कह जाते, उनकी प्रेमी-मंडली उसे दुहराती-तिहराती। धीरे-धीरे स्वर ऊँचा होने लगता-एक निश्चित ताल, एक निश्चित गति से। उस ताल-स्वर के चढ़ाव के साथ श्रोताओं के मन भी ऊपर उठने लगते। धीरे-धीरे मन-तन पर हावी हो जाता। होते-होते, एक क्षण ऐसा आता कि बीच में खँजड़ी लिए बालगोबिन भगत नाच रहे हैं और उनके साथ ही सबके तन और मन नृत्यशील हो उठे हैं। सारा आँगन नृत्य और संगीत से ओतप्रोत है!

(i) **(घ)** वर्षा ऋतु की वह गर्मी जिसका अनुभव हवा बंद होने पर किया जाता है
व्याख्या: वर्षा ऋतु की वह गर्मी जिसका अनुभव हवा बंद होने पर किया जाता है

(ii) **(क)** भजन सुनने वाले लोगों की भीड़ जुट जाती।
व्याख्या: भजन सुनने वाले लोगों की भीड़ जुट जाती।

(iii) **(ग)** सभी भजन के आनंद में खो जाते और सुध-बुध खो बैठते।
व्याख्या: सभी भजन के आनंद में खो जाते और सुध-बुध खो बैठते।

(iv) **(क)** वे खँजड़ी लेकर उठते और नाचने लगते।
व्याख्या: वे खँजड़ी लेकर उठते और नाचने लगते।

(v) **(ग)** संध्या
व्याख्या: संध्या

9. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(घ)** अज्ञात दिशा से
व्याख्या: कविता के अनुसार बादल अज्ञात दिशा से आकर पूरे आकाश को घेर लेते हैं और लोगों में उम्मीद जगाते हैं।
(ii) **(ख)** कवि की प्रेमिका
व्याख्या: कवि की प्रेमिका

10. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।
ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।
अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए।

(i) **(घ)** उनमें छल - कपट आ गया है
व्याख्या: उनमें छल - कपट आ गया है
(ii) **(घ)** कृष्ण से
व्याख्या: कृष्ण से
(iii) **(क)** उद्धव के लिए
व्याख्या: उद्धव के लिए
(iv) **(घ)** राजधर्म की
व्याख्या: राजधर्म की
(v) **(घ)** परोपकारी
व्याख्या: परोपकारी

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) पंक्ति के अनुसार लक्ष्मण कहते हैं कि यहाँ कोई कुम्हड़े का छोटा और कच्चा फल नहीं है जिसे तर्जनी उँगली दिखाकर मारा जा सकता है। लक्ष्मण यह कहना चाहते हैं कि वे भी कोई सामान्य बालक नहीं हैं। वे सूर्यवंशी और वीर हैं, वे कुठार और धनुष-बाण देखकर डरने वाले नहीं हैं।
(ii) प्रत्येक मनुष्य महत्त्वाकांक्षी होता है और आगे बढ़ना चाहता है। यह स्वभाविक प्रवृत्ति है। यह सोचना कि मात्र मैं ही प्रतिभावान हूँ, इसकी परख और आकलन करने के उद्देश्य से पहले संगतकार की भूमिका में रहना चाहूँगा। 'सफल गायन में सक्षम हूँ' ऐसा विश्वास हो जाने पर

मुख्य गायक की भूमिका प्रस्तुत करने में किंचित नहीं करूँगा। हाँ, पहले संगतकार की भूमिका में ही रहना चाहूँगा। क्योंकि गायक की नींव एक संगतकार के रूप में रखि जाती है। मुख्य गायक बनने से पहले संगतकार होना चाहिए। तभी वह एक अच्छा गायक बन सकता है।

(iii) कवि असाधारण काव्य-प्रतिभा के साथ बहुमुखी प्रतिभा का धनी है। वह जानता है कि जिन्होंने आत्म-कथाएँ लिखी हैं, उनकी आलोचकों ने खूब बखिया उधेड़ी हैं। इस तरह आत्मकथाएँ प्रेरणा-स्रोत न बनकर उपहास का कारण बनकर रह गई हैं। कवि जानता है कि वैसा ही मेरे साथ भी होगा। कवि के भी आलोचक हैं। कवि के अनुभव ही उसे आत्मकथा लिखने से रोकते हैं। 'आत्मकथ्य' कविता के बहाने कवि स्वयं ही उन लोगों की आलोचना कर गया है, जिन्होंने उसे ठगा है।

(iv) शिशु की मनोहारी दंतुरित मुसकान को देखकर कवि का मन सरसता तथा स्निग्धता से भरकर आनंदित हो उठता है। वह अपने संघर्षों का श्रम भूल जाता है। इस प्रकार कविता के माध्यम से कवि ने समाज को संदेश दिया है कि पारिवारिक जीवन अच्छा है, इससे मनुष्य के मन में आनन्द और उत्साह का संचार होता है तथा वह अनेक कठिनाइयों को सरलता से पार कर लेता है।

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) 'लखनवी अंदाज़' कहानी का शीर्षक पूर्णतः सार्थक है क्योंकि पूरा कथानक लखनवी नवाब की शान के प्रदर्शन के इर्द-गिर्द ही चलता है | नवाब का तौर-तरीका और उनके द्वारा झूठी शान दिखाना लखनवी अंदाज़ ही है | अतः शीर्षक सर्वथा सार्थक है |

(ii) लेखक की दृष्टि में सभ्यता और संस्कृति शब्दो का प्रयोग अधिक होता है परन्तु समझ में कम आता है। इनके साथ अनेक तरह के भारी भरकम विशेषण लगा देने से इन्हे समझना और भी कठिन हो जाता है। लोग इनके संबंध में अपने विचार प्रस्तुत करते हैं लेकिन आम जनता की इन शब्दों अथवा इनके अर्थ के संबंध में अब तक एक स्पष्ट समझ नहीं बन पायी है। लोग अपने हिसाब से इन शब्दों अथवा अवधारणाओं को उपयोग करते हैं एवं अपनी सुविधा के अनुसार ही वे इनका अर्थ निकालते हैं। अतः इन दोनों शब्दों के संबंध में अर्थ की दृष्टि से एवं इनके उपयोग की दृष्टि से भी समाज एवं कहें तो लेखक वर्ग में भी अब तक सही समझ नहीं बन पाई है।

(iii) आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लड़कियों का योगदान सर्वत्र सराहनीय है। उनकी क्षमताओं को कम करके नहीं देखा जा सकता है। वे किसी भी क्षेत्र में किसी से कम नहीं हैं | पाठ की लेखिका मन्नू भंडारी भी प्रतिभा की धनी थी |

कहानी संदेश देती है कि यदि उद्देश्य अच्छे हों और मनुष्य में उत्साह और ललक हो तो रास्ते स्वयं ही दिखने लगते हैं। मन्नू भंडारी के मन में ललक थी अपने जीवन पथ पर वे आगे बढ़ना चाहती थी | उनकी दृढ़ इच्छा शक्ति के आगे किसी की एक न चली | लक्ष्य पथ पर अनेक विरोध होते हैं तो सहायक भी अपने-आप मिलते जाते हैं। इसके लिए इच्छा-शक्ति दृढ़ चाहिए। ऐसा होने पर संपूर्ण विरोध आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

(iv) कैप्टन देखने में बूढ़ा और मरियल-सा था। वह लँगड़ा भी था और सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए हुए था। उसने अपने एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची ले रखी थी और दूसरे हाथ में एक बाँस ले रखा था जिस पर बहुत से चश्मे टँगे हुए थे।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ में अज्ञेय जी अपनी आंतरिक विवशता को प्रकट करने के लिए लिखते हैं। वे तटस्थ होकर यह देखना चाहते हैं कि उनका मन क्या सोचता है। वे लिखकर मन की बैचेनी और उसकी छटपटाहट से मुक्ति पाने के लिए लिखते हैं। वे स्वयं को जानने और समझने व पहचानने के लिए लिखते हैं। वे यह भी मानते हैं कि कई बार कुछ लेखक आर्थिक कारणों से भी लिखते हैं या कुछ संपादक के दबाव और प्रसिद्धि की कामना के लिए भी लिखते हैं।

(ii) जितने नार्गे एक कुशल गाइड हैं-'साना-सान हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताइए। उत्तर जितेन नार्गे एक कुशल गाइड है। वैसे तो पर्यटक वाहनों में ड्राइवर अलग और गाइड अलग होते हैं, लेकिन जितेन ड्राइवर-कम-गाइड है। अत: हम कह सकते हैं कि एक कुशले गाइड को वाहन चलाने में भी कुशल होना चाहिए ताकि आवश्यकता पड़े तो वह ड्राइवर की भूमिका भी निभा सके।

एक कुशल गाइड को अपने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति तथा विभिन्न स्थानों के महत्व तथा उनसे जुड़ी रोचक जानकारियों का ज्ञान भी होना चाहिए जितेन ने यूमतांग का मतलब बताया कि - घाटियां । उसने बताया कि सिक्किम के लोग बौद्ध धर्म को मानते हैं, जब किसी बौद्ध धर्म के अनुयाई की मृत्यु होती है तो उसकी आत्मा की शांति के लिए शहर से दूर किसी भी पवित्र स्थान पर 108 श्वेत पताकाएं लगा दी जाती हैं।जितेन को पता है कि देवानंद अभिनीत 'गाइड' फिल्म (यह अपने समय की अति लोकप्रिय फिल्म थी) की शूटिंग लोंग स्टॉक में हुई थी। इससे पर्यटकों का मनोरंजन भी होता है और उनकी स्थान में रुचि भी बढ़ जाती हैं। जितेन यद्यपि नेपाली हैं, लेकिन उसे सिक्किम के जन-जीवन, संस्कृति तथा धार्मिक मान्यताओं का पूरा ज्ञान हैं। उसने बताया कि जगह -जगह दलाई लामा की तस्वीरें भी लगी हुई है जो लोगों की आस्था व विश्वास का प्रतीक है । वहाँ की कठोर जीवन- स्थितियों से भी वह भली-भाँति परिचित हैं। उसने बताया की यहां के लोग मेहनती होते हैं इसलिए सिक्किम राज्य की राजधानी को मेहनतकश बादशाहो का जगमगाता शहर कहा जाता है। इससे उसके कुशल गाइड़ होने का पता चलता है।

जितेन का सबसे अच्छा गुण हैं-मानवीय संवेदनाओं की समझ तथा परिष्कृत संवाद शैली। वह सिक्किम की सुन्दरता का गुणगान ही नहीं करता, वहाँ के लोगों के दु:ख-दर्द के बारे में लेखिका से बातचीत करता है। सिक्किम की औरतों व बच्चों के जीवन पर भी प्रकाश डालता है। उसकी भाषा बड़ी परिष्कृत और संवाद का ढंग अपनत्व से पूर्ण है, जो किसी गाइड को आवश्यक गुण है। इसके अतिरिक्त एक कुशल गाइड को उत्साही, धैर्यवान तथा जिज्ञासु होना चाहिए।

(iii)'माता का आँचल' पाठ में मूसन तिवारी गांव के वृद्ध व्यक्ति थे और उन्हें आँखों से कम दिखाई देता था। एक बार जब भोलानाथ और उनके साथी बाग से लौट रहे थे तब उनके ढीठ दोस्त बैजू के बहकावे में सब बच्चों ने मिलकर मूसन तिवारी को चिढ़ाया था। मूसन तिवारी के खदेड़ने पर सब बच्चे भाग गए। तिवारी जी सीधे पाठशाला गए और वहाँ से बैजू और भोलानाथ को पकड़कर बुलवाया। बैजू तो भाग गया लेकिन भोलानाथ की गुरु जी ने खूब खबर ली। इस घटना से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें वयोवृद्ध लोगों का आदर-सम्मान करना चाहिए।

14. वैश्विक महामारी कोविड-19 या कोरोना वायरस (सीओवी) अत्यंत सूक्ष्म (छोटा) किन्तु प्रभावी वायरस है। (दिसम्बर 2019) में चीन के बुहान से शुरू हुए इस घातक वायरस ने विश्व के अनेक देशों में लाखों लोगों को अकाल मृत्यु का शिकार बना दिया। इसके प्रारम्भिक लक्षणों में सर्दी, जुकाम, बुखार, नाक बहना, गले में खराश और बाद में साँस लेने में तकलीफ होना, किडनी फेल होना तथा अंत में मृत्यु होना जैसे दुष्परिणाम सामने आए। इससे बचाव के लिए आवश्यक है कि हम बार-बार साबुन से हाथ धोएँ, अनावश्यक घर से न निकलें, सामाजिक दूरी का पालन और मास्क का उपयोग करें, संक्रमित होने पर अन्य लोगों से दूरी बनाकर रखें। कोरोना के संक्रमण को तेजी से फैलने से रोकने हेतु सरकार द्वारा समय-समय पर लॉकडाउन घोषित किया गया। सभी

शिक्षण संस्थाएँ बंद करके विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षण सुविधा प्रदान की जा रही है। अभी कोविड-19 से बचाव का टीका नहीं बना है। अतः आवश्यक है कि हम भयमुक्त हों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्देशों का पालन करें, पौष्टिक आहार लें। योग-व्यायाम करें तथा पुस्तकों से दोस्ती करें।

अथवा

भारत देश मुझे अपने प्राणों से भी अधिक प्रिय है। मुझे अपने भारतीय होने पर गर्व का अनुभव होता है। मेरा देश संसार के सभी देशों से निराला है और संसार के सब देशों से प्यारा है। मैं भारत को विश्व के शक्तिशाली देश के रूप में देखना चाहता हूँ। मैं ऐसे भारत का सपना देखता हूँ, जो भ्रष्टाचार, शोषण और हिंसा से मुक्त हो। मेरे सपनों का भारत 'सुशिक्षित भारत' है। उसमें अनपढ़ता, निरक्षरता और बेरोज़गारी का कोई स्थान नहीं है। मैं चाहता हूँ कि हमारे देश के नियोजक ऐसी शिक्षा लागू करें, जिसके बाद व्यवसाय या नौकरियाँ सुरक्षित हों। कोई भी व्यक्ति अशिक्षित न हो और कोई भी शिक्षित बेरोज़गार न हो। मैं चाहता हूँ कि भारत सांप्रदायिक दंगों-झगड़ों से दूर रहे। सब में आपसी भाईचारा और प्रेम का संबंध हो। राष्ट्रीय एकता का संचार हो। जो सम्मान भारत का प्राचीन काल में था वही सम्मान मैं पुनः उसे प्राप्त कराना चाहता हूँ।
मैं फिर से रामराज्य की कल्पना करता हूँ, जिसमें सभी लोगों को जीने के समान अवसर प्राप्त हो सकें। भारत एक बार फिर 'सोने की चिड़िया' बन जाए। मेरे सपनों का भारत वह होगा, जो राजनीतिक आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और वैज्ञानिक आदि विभिन्न दृष्टियों से उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा। भावी भारत के सपनों की पूर्णता के लिए आवश्यक है कि हमारे देश का प्रत्येक नागरिक देश की प्रत्येक कुरीति को समूल नष्ट करने का दृढ़ संकल्प करें।

अथवा

मनुष्य सामाजिक प्राणी है। परस्पर सहयोग उसके जीवन का महत्त्वपूर्ण अंग है। परस्पर सहयोग के अभाव में समाज का अस्तित्व ही नहीं रह जाता। व्यक्ति को पग-पग पर दूसरों के सहयोग और सहायता की आवश्यकता पड़ती है। व्यास जी ने कहा है-परहित साधन ही पुण्य है और दूसरों को कष्ट देना ही पाप है। परोपकार के समान दूसरा धर्म नहीं है। परोपकार का प्रत्यक्ष उदाहरण प्रकृति में देखने को मिलता है। मेघ दूसरों के लिए वर्षा करते हैं, वायु दूसरों के लिए चलती है तथा सरिता भी दूसरों की प्यास बुझाने के लिए बहती है। पुष्पअपनी सुगन्ध बिखेरकर, वृक्ष स्वयं धूप सहकर और पथिकों को छाया प्रदान करके हमें परोपकार की प्रेरणा देते प्रतीत होते हैं। परोपकार करने वाला मनुष्य पूज्य बन जाता है। परहित के कारण गाँधी जी ने गोलियाँ खाईं, सुकरात ने जहर पिया तथा राजा शिवि ने बाज के आक्रमण से भयभीत कबूतर की रक्षा के लिए अपने शरीर का माँस दिया, ऋषि दधीचि ने मानव कल्याण के लिए स्वेच्छा से अपनी अस्थियाँ दान करके सम्पूर्ण मानवता को वृत्रासुर के अत्याचारों से मुक्त कराया। बुद्ध, महावीर जैसे महापुरुषों ने तृप्त मानवता को परोपकार का पावन मार्ग दिखाया। पंचशील का सिद्धान्त भी परोपकार की ही देन है। अपने लिए तो पशु भी जी लेते हैं। परोपकार इसी कारण मानवीय वृत्ति है। मनुष्य की परिभाषा देते हुए कवि ने कहा है- वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए जिए।

15. प्रति,
शिक्षा निदेशक
शिक्षा निदेशालय
दिल्ली।
विषय-प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों की भर्ती हेतु आवेदन-पत्र।
महोदय,
मुझे 05 मई, 2019 को प्रकाशित दैनिक जागरण समाचार-पत्र से ज्ञात हुआ कि शिक्षा निदेशालय को विभिन्न विषयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों की आवश्यकता है। प्रार्थी भी स्वयं को एक

उम्मीदवार के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, जिसका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-
नाम - सचिन बंसल
पिता का नाम - श्री बिन्नी बंसल
जन्मतिथि - 25 दिसंबर,1991
पता - सी/125 सागरपुर दिल्ली।
शैक्षिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई०	2006	70%
बाहरवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई०	2008	79%
बी.ए.	दिल्ली विश्वविद्यालय	2011	72%
एम.ए.	इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय	2013	76%

अनुभव- अभिनव पब्लिक स्कूल में अंग्रेजी शिक्षक पद पर एक साल अंशकालिक।
घोषणा- मैं आपको विशवास दिलाता हूँ कि सेवा का अवसर मिलने पर पूरी निष्ठा एव ईमानदारी से कार्य करूँगा।
धन्यवाद
भवदीय
सचिन बंसल
हस्ताक्षर ....
दिनांक 08 मई, 2019
संलग्न- शैक्षणिक एवं अनुभव प्रमाण-पत्रों की छायांकित प्रति।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: abcschool@gmail.com
CC ...
BCC ...
विषय - विद्यालय से दो दिन के अवकाश हेतु
महोदय,
मैं कक्षा 10 का नियमित छात्र हूँ। जैसा कि आप जानते हैं कि आजकल मौसम तेजी से परिवर्तित हो रहा है और आस-पास काफी लोग बीमार पड़ रहे हैं, उसी बदलते मौसम के कारण मुझे भी सर्दी का भयंकर प्रकोप होने से तेज बुखार आ गया है। इसी वजह से मैं कक्षा में उपस्थिति दर्ज कराने में असमर्थ हूँ। डॉक्टर ने दो दिन की नियमित दवाई के साथ आराम करने की सलाह भी दी है।
अतः मैं दिनांक 17.04.22 एवं 18.04.22 का अवकाश चाहता हूँ। कृपया उक्त दो दिनों का अवकाश स्वीकृत करने का कष्ट करे।
पवन

16. सेवा में,
विद्युत अधिकारी,
विद्युत प्रदाय संस्थान,
द्वारका सेक्टर-7,
नई दिल्ली।
दिनांक : 18.5.20XX
विषय- बिजली के बिल में गड़बड़ी की शिकायत हेतु।

महोदय,
निवेदन है हम द्वारका सेक्टर-7 के निवासी बिजली बिल की अनियमितता से बहुत परेशान हैं। हमारे क्षेत्र में मीटर रीडर नियमित रूप से नहीं आते और मनचाही रीडिंग भरकर भेज देते हैं। जिस कारण हमारे बिजली के बिल आवश्यकता से अधिक आते हैं। कई बार शिकायत करने के बाद भी आपके विभाग की ओर से इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया। गत माह में परिवार सहित शहर से लगभग 20 दिन तक बाहर रहा फिर भी मेरा बिजली का बिल ₹ 7000 का आया है। आशा है आप इस दिशा में उचित कदम उठाते हुए हमारी समस्या का निदान करने की कृपा करेंगे।
धन्यवाद सहित।
भवदीय,
(हस्ताक्षर)
अनिल
अध्यक्ष,
मोहल्ला सुधार सभा,
सेक्टर - 7 द्वारका,
दिल्ली।

अथवा

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
27 फरवरी, 2019
प्रिय मित्र गौरव,
सप्रेम नमस्कार।
कल ही तुम्हारा पत्र मिला। पढ़कर बड़ी खुशी हुई कि तुम सपरिवार सानंद हो। तुमने इस पत्र में मेरे विद्यालय के पुस्तकालय में आने वाले विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के बारे में जानना चाहा था, इस पत्र में मैं उसी के बारे में लिख रहा हूँ।
मित्र, मेरे विद्यालय में शिक्षण-व्यवस्था बहुत अच्छी है। यहाँ की अन्य पाठ्येतर क्रियाओं की व्यवस्था तथा पुस्तकालय का कहना ही क्या। यहाँ पर अन्य भाषाओं के साथ-साथ हिंदी की अनेक पत्र-पत्रिकाएँ मँगाई जाती हैं। इनमें चंदामामा, चंपक, नंदन, सुमन सौरभ, लोट-पोट आदि प्रमुख हैं। ये पत्रिकाएँ हम छात्रों को पुस्तकालय के पीरियड में पढ़ने को तो मिलती हैं, साथ ही अनेक शिक्षाप्रद पुस्तकें घर पर पढ़ने के लिए भी दी जाती हैं। पुस्तकालयाध्यक्ष छात्रों को पुस्तकें देने के लिए कभी मना नहीं करते हैं। वास्तव में मेरा पुस्तकालय और विद्यालय दोनों ही बहुत अच्छे हैं।
पत्रोत्तर में तुम भी अपने पुस्तकालय के बारे में लिखना।
पूज्य चाचा एवं चाची को मेरा प्रणाम कहना। शेष सब ठीक है। पत्रोत्तर शीघ्र देना।
तुम्हारा अभिन्न मित्र,
रहीम

प्रकृति की रक्षा

17.

सूरज की किरणें जब पृथ्वी पर पड़ती हैं,
तभी होता है सवेरा।
पेड़ लगाओ धरती बचाओ
तभी इस पर कर पाओगें बसेरा।
धरती, आकाश, जल और जंगल,
इसकी रक्षा हम सबका मंगल।
आओ पर्यावरण को शुद्ध बनायें,
सबका जीवन स्वस्थ बनायें।

अथवा

संदेश

12-10-2020
प्रातः 11:00 बजे

प्रिय जसबीर आज सुबह के समाचार पत्र को देखकर पता चला कि तुम्हारी टीम ने स्वर्ण पदक हासिल किया है और तुम्हारे अच्छे प्रदर्शन के कारण तुम्हारा चयन भारतीय टीम में कर लिया गया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम और भी अधिक सफलता प्राप्त करोगे और आगे चलकर देश का नाम रोशन करोगे। हम सबकी ओर से बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

गिरीश